भारत के राजदूत श्री रवि शंकर के आवास पर ICCR पुरस्कार प्राप्त करने के अवसर पर डॉ. दिमित्रियोस वासिलियाडिस का स्वीकृति भाषण। 18 सितंबर 2026।

महामहिम राजदूत रवि शंकर, सम्मानित अतिथिगण, मित्र और भारतीय भाषाओं व संस्कृति के विद्यार्थी।

'भारत मित्र सम्मान' —Distinguished Alumni Award के लिए चुने जाने पर मैं बहुत आभारी और अभिभूत महसूस कर रहा हूँ। इस अवसर पर शामिल होने के लिए आप सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद। मुझे इस बात का बहुत सम्मान महसूस हो रहा है कि मेरे काम को भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद द्वारा इस तरह से मान्यता दी गई है।

ICCR की स्थापना उन्नीस सौ पचास में भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आज़ाद ने की थी, जिसका मुख्य उद्देश्य भारत और अन्य देशों के बीच सांस्कृतिक संबंधों और आपसी समझ को स्थापित करना और मजबूत करना है ।

ICCR की scholarship की मदद से, मैं बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में अपनी M.A., Ph.D. और पोस्ट-डॉक्टरल पढ़ाई पूरी कर सका। इसके बाद, मैंने भारत में जो ज्ञान प्राप्त किया, उसे ग्रीस में अपने छात्रों के साथ साझा किया। यह पुरस्कार इस अध्ययन और काम के लिए दिया जा रहा है।

यह उपलब्धि मैंने अकेले हासिल नहीं की है। मैं अपने शिक्षकों, भारतीय राजदूतों और भारतीय दूतावास के कर्मचारियों के साथ-साथ एथेंस विश्वविद्यालय के ' Foreign Languages Teaching Center' के शिक्षकों और कर्मचारियों को धन्यवाद देना चाहता हूँ।

मैं अपनी शैक्षणिक यात्रा के दौरान धैर्य, प्यार और सहयोग के लिए अपने परिवार, दोस्तों और छात्रों का भी धन्यवाद करना चाहता हूँ।

मैं भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद का आभारी हूँ कि उन्होंने मुझ-जैसे भारतीय अध्ययन के छात्रों के काम को मान्यता दी। मुझे उम्मीद है कि मेरे काम को मिली यह पहचान, दूसरों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन सकती है।

मैं अपने शिक्षण और लेखन के माध्यम से ग्रीस में इंडोलॉजी के अध्ययन को बढ़ावा देने के अपने प्रयास जारी रखूँगा और आने वाले वर्षों में भी, आपके निरंतर सहयोग की आशा करता हूँ। मैं विनम्रता और कृतज्ञता का अनुभव कर रहा हूँ।

आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।